चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	09.07.2020	05	06-08

हरे चारे के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने में भी सहायक ज्वार की फसल : केपी सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

ज्वार की फसल

चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए व्यक्त किए। कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधिक पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अति आवश्यक है। चारा फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण फसल है। हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसन्द है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने के साथ-साथ हरे चारे की बिक्री कर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि हरे चारे में ज्वार की डिमांड बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकुल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है। इसलिए है ज्वार आदर्श चारा फसल चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि हरा व मीठा चारा, जल्द बढने की क्षमता और अधिक चारा उत्पादन का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	09.07.2020	05	06-08

भास्कर खास • एचएयू में विद्यार्थियों परीक्षाओं का रास्ता साफ

मिड टर्म एग्जाम के नंबरों के आधार पर घोषित होगा एचएयू के ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट का रिजल्ट

भास्कर न्यूज | हिसार

आखिरकार एचएयू में छात्र एवं छात्राओं की परीक्षाओं का रास्ता साफ हो गया है। हाल ही में विवि प्रशासन की हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि लिखित परीक्षा के बजाय मिड टर्म एग्जाम के आधार पर एचएयू के ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स का रिजल्ट घोषित किया जाएगा। विवि प्रशासन ने मिड टर्म एग्जाम के छात्र एवं छात्राओं के नंबरों का आंकलन करना शुरू कर दिया है।

दरअसल, कोरोना से बचाव के मद्देनजर सभी विवि और स्कूल कॉलेज बंद चल रहे हैं। हालांकि विवि में ऑफिस कार्य कराए जा रहे हैं। छात्र एवं छात्राओं को विवि में अभी नहीं बुलाया जा रहा है। घर पर ही सभी की ऑनलाइन ही पढ़ाई कराई जा रही है। कोरोना से बचाव के मद्देनजर ऑनलाइन छात्रों के एग्जाम कराने को लेकर विवि प्रशासन में मंथन चल रहा था। विवि के सूत्रों के अनुसार हाल ही में विवि प्रशासन की हुई बैठक में ऑनलाइन या लिखित के बजाय पूर्व में हुए मिड टर्म एग्जाम के आधार पर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के नंबरों का आंकलन कर एग्जाम का रिजल्ट घोषित किया जाएगा। उन्हें किसी भी तरह की लिखित परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। विवि प्रशासन की टीम ने छात्रों की पूर्व में दी गई परीक्षा के परिणाम का आंकलन करना शुरू कर दिया है।

कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर विवि के छात्रा एवं छात्राओं की लिखित परीक्षा नहीं कराने का निर्णय लिया गया है। मिड टर्म एग्जाम के नंबरों के आधार पर ही छात्रों को पास किया जाएगा। यही नहीं ऑनलाइन ही एडमिशन के लिए आवेदन करने पर भी अभी विचार-विमर्श किया जा रहा है।
- प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू।

एचएयू ने अपने विवि के छात्र एवं छात्राओं की समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन भी जारी की हुई है। अधिकतर कॉल परीक्षा से संबंधित है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	09.07.2020	03	02-03

चारे के साथ ज्वार की फसल आय बढ़ाने में भी सहायक : प्रो. सिंह

जागरण संवाददाता, हिसार : चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए

व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 फीसद लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधिक पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अत्यावश्यक है।

चारा फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण फसल है। हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसंद है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने के साथ-साथ हरे चारे की बिक्री कर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि हरे चारे में ज्वार की डिमांड बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है। ज्वार की फसल के लिए मुख्य उन्नत किस्मों में एचजे 541, एचजे 513, एचसी 308, एचसी 260, एचसी 171, एचसी 136 शामिल हैं। ये सभी किस्में यह 80 से 100 दिन में हरे चारे के लिए तैयार हो जाती हैं तथा इनकी हरे चारे की औसतन पैदावार 180-225 क्विंटल प्रति एकड़ तक है। इनके अलावा एसएसजी 59-3 किस्म को हरियाणा के सिंचित व मैदानी क्षेत्रों के लिए सिफारिश की गई है। यह मीठी व अच्छे गुणों वाली किस्म है जिससे लंबे समय तक हरा चारा मिलता रहता है, विशेषकर जब दूसरे चारों की कमी रहती है।

इसलिए है ज्वार आदर्श चारा फसल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि हरा व मीठा चारा, जल्द बढ़ने की क्षमता और अधिक चारा उत्पादन का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है। ज्वार का पौधा कठोर होने के कारण प्रतिकूल परिस्थितियां जैसे अधिक तापमान और सूखे को सहन करने की क्षमता रखता है। इसीलिए इसे कम पानी या शुष्क क्षेत्रों में भी हरे चारे के लिए लगाया जाता है। हरे चारे के अलावा इसे सूखा चारा (कड़बी), साइलेज के रूप में भी पशुचारे के लिए उपयोग किया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	09.07.2020	03	06-07

'मानसून के दौरान धान की रोपाई करें किसान'

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार अगले दो-तीन बारिश की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई जारी रखें। इसके अलावा बाजरा,ग्वार आदि खरीफ फसलों के उत्तम किस्मों के बीजों का प्रबंध करें और उचित नमी होने के बाद बिजाई मौसम साफ होने पर ही करें। उन्होंने कहा कि किसान नरमा कपास में निराई-गुड़ाई कर नमी संचित करें। इसके अलावा प्रमाणित नर्सरी से उत्तम किस्मों के फलदार पौधों को लेकर खेतों में लगाना शुरू करें।

टिड्डी दल के प्रति रहें सजग: प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों को सलाह दी कि वे टिड्डी दल के प्रति सजग रहें और अपने खेतों में लगातार इसकी निगरानी रखें। अगर खेत में कहीं भी टिड्डी दिखाई दे तो तुरंत इसकी जानकारी अपने नजदीक के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञान केंद्र/ विश्वविद्यालय के कीटविज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को दें। उन्होंने किसानों को कोरोना से बचाव के लिए मुंह पर मास्क या अंगोछा लगाने, मंडी/ गांव व खेत में काम करते समय एक दूसरे के बीच व्यक्तिगत दूरी बनाने व हाथों को समय-समय पर साबुन या सेनेटाइजर से साफ करने की भी सलाह दी है।

सलाह

- किसान नरमा कपास में निराई गुड़ाई कर नमी संचित करें
- कोरोना से बचने के लिए मास्क अवश्य लगाएं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	09.07.2020	12	01-06

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने किसानों को दी सलाह

हरे चारे के साथ आमदनी बढ़ाने में भी सहायक है ज्वार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधिक पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अत्यावश्यक है। चारा फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण फसल है। हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसन्द है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने के साथ-साथ हरे चारे की बिक्री कर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि हरे चारे में ज्वार की डिमांड बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकुल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है।

ये हैं ज्वार की उन्नत किस्में

ज्वार की फसल के लिए मुख्य उन्नत किस्मों में एच.जे. 541, एच.जे. 513, एच.सी. 308, एच.सी. 260, एच.सी. 171, एच.सी. 136 शामिल हैं। ये सभी किस्में यह 80 से 100 दिन में हरे चारे के लिए तैयार हो जाती हैं तथा इनकी हरे चारे की औसतन पैदावार 180-225 क्विंटल प्रति एकड़ तक है। इनके अलावा एस. एस. जी 59-3 किस्म को हरियाणा के सिंचित व मैदानी क्षेत्रों के लिए सिफारिश की गई है। यह मीठी व अच्छे गुणों वाली किस्म है जिससे लंबे समय तक हरा चारा मिलता रहता है, विशेषकर जब दूसरे चारों की कमी रहती है। यह किस्म मई से नवंबर तक 3-5 कटाई में 300 क्विंटल प्रति एकड़ हरे चारे की पैदावार देती है। **किसान ऐसे करें भूमि व खेत की तैयारी:-**

आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के ज्वार विशेषज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया कि ज्वार की खेती वैसे तो सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है परन्तु अच्छे जल निकास वाली दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिए बढ़िया है। खरपतवार नष्ट करने तथा फसल की अच्छी पैदावार के लिए खेत को अच्छी तरह तैयार करना चाहिए। सिंचित इलाकों में मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई और उसके बाद भी देसी हल से 2 जुताई एक दूसरे के आर-पार बिजाई से पहले अवश्य करनी चाहिए।

ज्वार आदर्श चारा फसल

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि हरा व मीठा चारा, जल्द बढ़ने की क्षमता और अधिक चारा उत्पादन का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है। ज्वार का पौधा कठोर होने के कारण प्रतिकूल परिस्थितियां जैसे अधिक तापमान और सूखे को सहन करने की क्षमता रखता है। इसीलिए इसे कम पानी या शुष्क क्षेत्रों में भी हरे चारे के लिए लगाया जाता है। हरे चारे के अलावा इसे सूखा चारा (कड़बी), साइलेज व हे के रूप में भी पशुचारे के लिए उपयोग किया जाता है। ज्वार के हरे चारे में पौष्टिकता की दृष्टि से प्रोटीन (7 से 10 प्रतिशत), फाइबर (30 से 32 प्रतिशत) और लिग्निन (6 से 7 प्रतिशत) पाए जाते हैं जो अन्य चारों की अपेक्षा इसकी पाचन क्रिया, स्वादिष्टता एवं पशु स्वास्थ्य को बनाए रखने में अधिक उपयोगी होते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	09.07.2020	09	02-08

मानसून की झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी व उमस से राहत दिलवाई

प्रशासन की अधूरी तैयारी से शहर लबालब

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

हिसार व आसपास के क्षेत्रों में मानसून की झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी व उमस से राहत दिलवाई। इसके साथ-साथ शहर कई पॉश एरिया सहित निचले इलाकों में जलभराव के कारण लोगों को परेशानी भी उठानी पड़ी। शहर की दर्जनों कॉलोनियों बरसाती पानी की निकासी के अभाव में झील में बदली नजर आई। बरसाती पानी की निकासी को लेकर प्रशासन की आधी-अधूरी तैयारी ने लोगों की मुश्किलों को बढ़ा दिया। यहां तक कि अधिकारियों के आवासों तथा सरकारी कार्यालयों में भी जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। उधर, बुधवार को हुई अच्छी बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। बारिश से खरीफ की फसल खासकर कपास तथा नरमा की बढ़वार तेज होगी। इसके साथ धान की बिजाई भी रफ्तार पकड़ेगी।

मानसूनी बारिश
- 12 जुलाई तक मौसम परिवर्तनशील, बीच-बीच में आंशिक बादल की संभावना

हिसार। डोगरान मोहल्ला में सड़क पर खड़े बारिश के पानी में से गुजरते बच्चे तथा नागरिक अस्पताल के परिसर में जमा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

हिसार। सैनियान मोहल्ले में सड़क पर भरे बरसाती पानी में से बाइक पर जाते युवक, ग्रीन पार्क मे तालाब बनी सड़क तथा ठंडी सड़क पर दरिया की तरह बह रहा बरसाती पानी। फोटो : हरिभूमि

इन इलाकों में जलभराव

बुधवार की शाम को हुई मानसून की अच्छी बारिश के चलते पुराने शहर एरिया में लगभग अधिकतर रिहायशी इलाके जलमग्न थे।

खासकर ऋषिनगर, न्यू ऋषि नगर, जगजीवन नगर, डोगरान मोहल्ला, कुम्हारान मोहल्ला, विजय नगर, महता नगर, ज्योतिपुरा मोहल्ला, सैनियान मोहल्ला, ऑटो मार्केट रोड, मिलगेट रोड, 12 क्वार्टर रोड, शांतिनगर, राजीव नगर, बड़वाली ढाणी, महाबीर कॉलोनी, न्यू महाबीर कॉलोनी, सूर्य नगर, शिव नगर, शिव कॉलोनी, कृष्णा नगर, जयदेव ढाणी, छोटूराम कॉलोनी, लाजपत नगर, जवाहर नगर, अर्बन एस्टेट, मॉडल टाउन, बैंक कॉलोनी, पटेल नगर, दिल्ली रोड सहित कई क्षेत्र बरसाती पानी से लबालब थे।

प्रदेश में सक्रिय नहीं हो पाया मानसून

हकृवि के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मानसून अनुकूल परिस्थितियों के कारण आगे बढ़ता हुआ 4 जुलाई से हरियाणा राज्य में सक्रिय होने की संभावना थी, किंतु अरब सागर में सरकुलेशन सिस्टम बन गया जिससे नमी वाली हवाएं गुजरात तथा राजस्थान से आगे नहीं बढ़ सकीं। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी की तरफ से भी नमी वाली हवाएं उत्तरप्रदेश तथा उत्तराखंड तक ही बढ़ी हुई है जिससे राज्य में पिछले तीन दिनों में उतरी हरियाणा में मध्यम बारिश और पश्चिमी व दक्षिण हरियाणा में कुछ एक स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज हुई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाएं वापस हिमालय की तलहटियों की तरफ व पूर्वोत्तर की तरफ जाने की संभावना है, लेकिन अरब सागर में आने वाली नमी वाली हवाएं राजस्थान से आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थितियां बनने से राज्य में आज रात्रि से 10 जुलाई के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

टिड्डी दल के प्रति रहें सजग

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी कि वे टिड्डी दल के प्रति सजग रहें तथा अपने खेतों में लगातार इसकी निगरानी रखें।

अगर खेत में कहीं भी टिड्डी दिखाई दे तो तुरंत इसकी जानकारी अपने नजदीक के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञान केंद्र/ विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को दें।

12 जुलाई तक मौसम रहेगा परिवर्तनशील

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि अरब सागर से नमी वाली मानसूनी हवाएं आने की संभावना से प्रदेश में 12 जुलाई तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील व बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। साथ ही पूर्वानुमान में बताया कि बुधवार रात्रि से 10 जुलाई के बीच-बीच में हरियाणा में तेज हवायों के साथ उतरी हरियाणा में कहीं-कहीं मध्यम से अच्छी बारिश परन्तु पश्चिमी व दक्षिण हरियाणामें हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। राज्य में इस दौरान तापमान सामान्य के आसपास ही बने रहने की संभावना है।

धान की रोपाई जारी रखें

हकृवि कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार अगले दो-तीन बारिश की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई जारी रखें।

इसके अलावा बाजरा, ग्वार आदि खरीफ फसलों के उत्तम किस्मों के बीजों का प्रबंध करें तथा उचित नमी होने के बाद बिजाई मौसम साफ होने पर ही करें। उन्होंने कहा कि किसान नरमा कपास में निराई-गुड़ाई कर नमी संचित करें। इसके अलावा प्रमाणित नर्सरी से उत्तम किस्मों के फलदार पौधों को लेकर खेतों में लगाना शुरू करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	09.07.2020	02	07-08

12 तक मौसम परिवर्तनशील, बीच-बीच में आंशिक बादल की संभावना

हिसार, 8 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि अरब सागर से नमी वाली मानसूनी हवाएं आने की संभावना से प्रदेश में 12 जुलाई तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील व बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है।

धान की रोपाई जारी रखें किसान: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर के.पी. सिंह ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार अगले 2-3 दिन बारिश की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई जारी रखें। इसके अलावा बाजरा, ग्वार आदि खरीफ फसलों के उत्तम किस्मों के बीजों का प्रबंध करें तथा उचित नमी होने के बाद बिजाई मौसम साफ होने पर ही करें। उन्होंने कहा कि किसान नरमा कपास में निराई-गुड़ाई कर नमी संचित करें। इसके अलावा प्रमाणित नर्सरी से उत्तम किस्मों के फलदार पौधों को लेकर खेतों में लगाना शुरू करें।

टिड्डी दल के प्रति रहें सजग: विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह दी कि वे टिड्डी दल के प्रति सजग रहें तथा अपने खेतों में लगातार इसकी निगरानी रखें।

अगर खेत में कहीं भी टिड्डी दिखाई दे तो तुरंत इसकी जानकारी अपने नजदीक के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञान केंद्र/विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को दें। उन्होंने किसानों को कोरोना से बचाव के लिए मुंह पर मास्क या अंगोछा लगाने, मंडी/गांव व खेत में काम करते समय एक-दूसरे के बीच व्यक्तिगत दूरी बनाने व हाथों को समय-समय पर साबुन या सैनिटाइजर से साफ करने की भी सलाह दी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	09.07.2020	04	03

हरे चारे के साथ आमदनी बढ़ाने का भी जरिया है ज्वार : प्रो. केपी सिंह

हिसार। चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसंद है। ज्वार की खरीफ की फसल की बिजाई का सही समय 25 जून से 10 जुलाई है। जिन क्षेत्रों में सिंचाई उपलब्ध नहीं है, वहां खरीफ की फसल मानसून में पहला मौका मिलते ही बो देनी चाहिए। ज्वार के लिए 20-24 किलोग्राम व सूडान घास के लिए 12 से 14 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के हिसाब 25 सेमी के फासले पर लाइनों में ड्रिल या पोरे की मदद से करें। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	08.07.2020	--	--

हरे चारे के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने में भी सहायक ज्वार की फसल : प्रो. के.पी. सिंह

पांच बजे न्यूज

हकृवि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किसानों को दी सलाह

हिसार। चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधिक पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अत्यावश्यक है। चारा फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण फसल है। हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसन्द है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने के साथ-साथ हरे चारे की बिक्री कर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि हरे चारे में ज्वार की डिमांड बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकुल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है।

इसलिए है ज्वार आदर्श चारा फसल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि हरा व मीठा चारा, जल्द बढ़ने की क्षमता और अधिक चारा उत्पादन का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है। ज्वार का पौधा कठोर होने के कारण प्रतिकूल परिस्थितियां जैसे अधिक तापमान और सूखे को सहन करने की क्षमता रखता है। इसीलिए इसे कम पानी या शुष्क क्षेत्रों में भी हरे चारे के लिए लगाया जाता है। हरे चारे के अलावा इसे सूखा चारा (कड़बी), साइलेज व 'हे' के रूप में भी पशुचारे के लिए उपयोग किया जाता है। ज्वार के हरे चारे में पौष्टिकता की दृष्टि से प्रोटीन (7 से 10 प्रतिशत), फाइबर (30 से 32 प्रतिशत) और लिग्निन (6 से 7 प्रतिशत) पाए जाते हैं जो अन्य चारों की अपेक्षा इसकी पाचन क्रिया, स्वादिष्टता एवं पशु स्वास्थ्य को बनाए रखने में अधिक उपयोगी होते हैं। आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. डीएस फोगाट, ज्वार विषेशज्ञ डॉ. सतपाल व ज्वार प्रजनक डॉ. पम्मी कुमारी ने बताया कि किसान ज्वार की उन्नत किस्में लगाकर किसान चारा उत्पादन के साथ-साथ अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं।

ये हैं ज्वार की उन्नत किस्में:

ज्वार की फसल के लिए मुख्य उन्नत किस्मों में एच. जे. 541, एच. जे. 513, एच.सी. 308, एच.सी. 260, एच.सी. 171, एच.सी. 136 शामिल हैं। ये सभी किस्में यह 80 से 100 दिन में हरे चारे के लिए तैयार हो जाती हैं तथा इनकी हरे चारे की औसतन पैदावार 180-225 क्विंटल प्रति एकड़ तक है। इनके अलावा एस. एस. जी 59-3 किस्म को हरियाणा के सिंचित व मैदानी क्षेत्रों के लिए सिफारिश की गई है। यह मीठी व अच्छे गुणों वाली किस्म है जिससे लंबे समय तक हरा चारा मिलता रहता है, विशेषकर जब दूसरे चारों की कमी रहती है। यह किस्म मई से नवंबर तक 3-5 कटाई में 300 क्विंटल प्रति एकड़ हरे चारे की पैदावार देती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	08.07.2020	--	--

12 जुलाई तक मौसम परिवर्तनशील, बीच-बीच में आंशिक बादल की संभावना

मेहरबान हुआ मानसून, हिसार में हुई जोरदार बारिश

पांच बजे न्यूज

हिसार। बारिश को लेकर कई दिनों से किया जा रहा इंतजार आज खत्म हो गया। हिसार में दोपहर बाद बादल छा गए और उसके बाद झमाझम बारिश हुई।बारिश होने से गर्मी बेहद कम हो गई है, तो बारिश के फुहारों से मौसम खुशनुमा हो गया है,

वहीं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि अरब सागर से नमी वाली मॉनसूनी हवायें आने की संभावना से प्रदेश में 12 जुलाई तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील व बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। साथ ही पूर्वानुमान में बताया कि आज रात्रि से 10 जुलाई के बीच-बीच में हरियाणा में तेज हवायों के साथ उत्तरी हरियाणा में कहीं-

कहीं मध्यम से अच्छी बारिश परन्तु पश्चिमी व दक्षिण हरियाणामें हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। राज्य में इस दौरान तापमान सामान्य के आसपास ही बने रहने की संभावना है।

प्रदेश में सक्रिय नहीं हो पाया मानसून

हकृवि के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मॉनसून अनुकूल परिस्थितियों के कारण आगे बढ़ता हुआ 4 जुलाई से हरियाणा राज्य में सक्रिय होने की संभावना थी, किंतु अरब सागर में एक सरकुलेशन सिस्टम बन गया जिससे नमी वाली हवायें गुजरात व राजस्थान से आगे नहीं। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी की तरफ से भी नमी वाली हवायें उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड तक ही बढ़ी हुई है जिससे राज्य में पिछले तीन दिनों में उत्तरी हरियाणा में मध्यम बारिश और पश्चिमी व दक्षिण हरियाणा में कुछ एक स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवायें वापिस हिमालय की तलहटियों की तरफ व पूर्वोत्तर की तरफ जाने की संभावना है, लेकिन अरब सागर में आने वाली नमी वाली हवाये राजस्थान से आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थितियां बनने से राज्य में आज रात्रि से 10 जुलाई के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

धान की रोपाई जारी रखें किसान

हकृवि के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार अगले दो-तीन बारिश की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई जारी रखें। इसके अलावा बाजरा,ग्वार आदि खरीफ फसलों के उत्तम किस्मों के बीजों का प्रबंध करें तथा उचित नमी होने के बाद बिजाई मौसम साफ होने पर ही करें।

टिड्डी दल के प्रति रहें सजग

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह दी कि वे टिड्डी दल के प्रति सजग रहें तथा अपने खेतों में लगातार इसकी निगरानी रखें। अगर खेत में कहीं भी टिड्डी दिखाई दे तो तुरंत इसकी जानकारी अपने नजदीक के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञान केंद्र/ विश्वविद्यालय के कीटविज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.07.2020	--	--

जानकारी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को दी सलाह

हरे चारे के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने में भी सहायक ज्वार की फसल : प्रो. के.पी. सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधिक पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अत्यावश्यक है। चारा फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण फसल है। हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसन्द है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने

के साथ-साथ हरे चारे की बिक्री कर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि हरे चारे में ज्वार की डिमांड बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकुल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है।

इसलिए है ज्वार आदर्श चारा फसल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि हरा व मीठा चारा, जल्द बढ़ने की क्षमता और अधिक चारा उत्पादन का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है। ज्वार का पौधा कठोर होने के कारण प्रतिकूल परिस्थितियां जैसे अधिक तापमान और सूखे को सहन करने की क्षमता रखता है। इसीलिए इसे कम पानी या शुष्क क्षेत्रों में भी हरे चारे के लिए लगाया जाता है। हरे चारे के अलावा इसे सूखा चारा (कड़बी), साइलेज व 'हे' के रूप में भी पशुचारे के लिए उपयोग किया जाता है। ज्वार के हरे चारे में पौष्टिकता की दृष्टि से प्रोटीन (7 से 10 प्रतिशत), फाइबर (30 से 7 प्रतिशत) पाए जाते हैं जो अन्य चारों की अपेक्षा इसकी पाचन क्रिया, स्वादिष्टता एवं पशु स्वास्थ्य को बनाए रखने में अधिक उपयोगी होते हैं। आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष विषेशज्ञ डॉ. सतपाल व ज्वार प्रजनक डॉ. पम्मी कुमारी ने बताया कि किसान ज्वार की उन्नत किस्में लगाकर किसान चारा उत्पादन के साथ-साथ अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं।

ये हैं ज्वार की उन्नत किस्में

ज्वार की फसल के लिए मुख्य उन्नत किस्मों में एच. जे. 541, एच. जे. 513, एच.सी. 308, एच.सी. 260, एच.सी. 171, एच.सी. 136 शामिल हैं। ये सभी किस्में यह 80 से 100 दिन में हरे चारे के लिए तैयार हो जाती है तथा इनकी हरे चारे की औसतन पैदावार 180-225 क्विंटल प्रति एकड़ तक है। इनके अलावा एस. एस. जी 59-3 किस्म को हरियाणा के सिंचित व मैदानी क्षेत्रों के लिए सिफारिश की गई है। यह मीठी व अच्छे गुणों वाली किस्म है जिससे लंबे समय तक हरा चारा मिलता रहता है, विशेषकर जब दूसरे चारों की कमी रहती है। यह किस्म मई से नवंबर तक 3-5 कटाई में 300 क्विंटल प्रति एकड़ हरे चारे की पैदावार देती है।

किसान ऐसे करें भूमि व खेत की तैयारी

आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के ज्वार विषेशज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया कि ज्वार की खेती वैसे तो सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है परन्तु अच्छे जल निकास वाली दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिए बढ़िया है। खरपतवार नष्ट करने तथा फसल की अच्छी पैदावार के लिए खेत को अच्छी तरह तैयार करना चाहिए। सिंचित इलाकों में मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई और उसके बाद भी देसी हल से 2 जुताई (एक दूसरे के आर-पार) बिजाई से पहले अवश्य करनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.07.2020	--	--

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई तेज बारिश, गर्मी से मिली राहत लेकिन निचले क्षेत्रों में पानी भरने से आई आफत

एचएयू मौसम विभाग ने 12 जुलाई तक मौसम परिवर्तनशील, बीच-बीच में आंशिक बादल की जताई संभावना

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आज दोपहर बाद तेज बारिश हुई जिसके कारण आमजन को गर्मी से राहत मिली। शहर में हुई बारिश से निचले क्षेत्रों में बारिश का पानी जमा हो गया जिससे राहगिरों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि अरब सागर से नमी वाली मॉनसूनी हवायें आने की संभावना से प्रदेश में 12 जुलाई तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील व बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। साथ ही पूर्वानुमान में बताया कि आज रात्रि से 10 जुलाई के बीच-बीच में हरियाणा में तेज हवाओं के साथ उतरी हरियाणा में कहीं-कहीं मध्यम से अच्छी बारिश परन्तु पश्चिमी व दक्षिण हरियाणामें हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। राज्य में इस दौरान तापमान सामान्य के आसपास ही बने रहने की संभावना है।

हिसार। बारिश के दौरान स्कूटी सवार अपने गंतव्य की ओर जाते हुए।

हिसार। बारिश के बाद अर्बन एस्टेट में भरा बरसाती पानी।

धान की रोपाई जारी रखें किसान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार अगले दो-तीन बारिश की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई जारी रखें। इसके अलावा बाजरा,ज्वार आदि खरीफ फसलों के उत्तम किस्मों के बीजों का प्रबंध करें तथा उचित वर्षा होने के बाद बिजाई मौसम साफ होने पर ही करें। उन्होंने कहा कि किसान नरमा कपास में निराई-गुड़ाई कर नमी संचित करें। इसके अलावा प्रमाणित नर्सरी से उत्तम किस्मों के फलदार पौधों को लेकर खेतों में लगाना शुरू करें।

प्रदेश में सक्रिय नहीं हो पाया मानसून

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मॉनसून अनुकूल परिस्थितियों के कारण आगे बढ़ता हुआ 4 जुलाई से हरियाणा राज्य में सक्रिय होने की संभावना थी, किंतु अरब सागर में एक सरकुलेशन सिस्टम बन गया जिससे नमी वाली हवाएं गुजरात व राजस्थान से आगे नहीं बढ़ी। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी की तरफ से भी नमी वाली हवायें उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड तक ही बढ़ी हुई है जिससे राज्य में पिछले तीन दिनों में उतरी हरियाणा में मध्यम बारिश और पश्चिमी व दक्षिण हरियाणा में कुछ एक स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवायें वापिस हिमालय की तलहटियों की तरफ व पूर्वोत्तर की तरफ जाने की संभावना है, लेकिन अरब सागर में आने वाली नमी वाली हवाये राजस्थान से आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थितियां बनने से राज्य में आज रात्रि से 10 जुलाई के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

कुलपति केपी सिंह ने किसानों को टिड्डी दल के प्रति रहें सजग रहने की दी सलाह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह दी कि वे टिड्डी दल के प्रति सजग रहें तथा अपने खेतों में लगातार इसकी निगरानी रखें। अगर खेत में कहीं भी टिड्डी दिखाई दे तो तुरंत इसकी जानकारी अपने नजदीक के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञान केंद्र/ विश्वविद्यालय के कीटविज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को दें। उन्होंने किसानों को कोरोना से बचाव के लिए मुंह पर मास्क या अंगोछा लगाने, मंडी/ गांव व खेत में काम करते समय एक दूसरे के बीच व्यक्तिगत दूरी बनाने व हाथों को समय-समय पर साबुन या सेनेटाइजर से साफ करने की भी सलाह दी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	08.07.2020	--	--

12 जुलाई तक मौसम रहेगा परिवर्तनशील

हिसार/08 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि अरब सागर से नमी वाली मानसूनी हवाएं आने की संभावना से प्रदेश में 12 जुलाई तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील व बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। साथ ही पूर्वानुमान में बताया कि आज रात्रि से 10 जुलाई के बीच में हरियाणा में तेज हवाओं के साथ उत्तरी हरियाणा में कहीं-कहीं मध्यम से अच्छी बारिश परन्तु पश्चिम व दक्षिण हरियाणा में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। राज्य में इस दौरान तापमान सामान्य के आसपास ही बने रहने की संभावना है। वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मानसून अनुकूल परिस्थितियों के कारण आगे बढ़ता हुआ 4 जुलाई से हरियाणा राज्य में सक्रिय होने की संभावना थी, किंतु अरब सागर में एक सरकुलेशन सिस्टम बन गया जिससे नमी वाली हवाएं गुजरात व राजस्थान से आगे नहीं बढी। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी की तरफ से भी नमी वाली हवाएं उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड तक ही बढ़ी हुई हैं जिससे राज्य में पिछले तीन दिनों में उत्तरी हरियाणा में मध्यम बारिश और पश्चिमी व दक्षिण हरियाणा में कुछ एक स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाएं वापिस हिमालय की तलहटियों की तरफ व पूर्वोत्तर की तरफ जाने की संभावना है, लेकिन अरब सागर में आने वाली नमी वाली हवाएं राजस्थान से आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थितियां बनने से राज्य में आज रात्रि से 10 जुलाई के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	08.07.2020	--	--

खेती व मौसम बुलेटिन

इस बार वर्षा सामान्य से भी कम है

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 जुलाई : यद्यपि हरियाणा में मौनसून 4 जुलाई के बाद पुन: एक्टिव हो गया है, परंतु वर्षा सामान्य से कम है। दो-तीन दिन में वर्षा हल्की और मध्यम के बीच रहने की संभावना है। यह जानकारी एचएयू मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदनलाल खिचड़ ने दी। डॉ. खिचड़ ने बताय कि अरब सागर में चक्रवातीय क्रिया के कारण कहीं हल्की और कहीं मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। बंगाल की खाड़ी से आने वाली वायु, हिमालय की ओर उत्तर दिशा में मध्यम वर्षा का कारण बनेगी। पश्चिमी हरियाणा में यदि वर्षा कम हो या हल्की बारिश के कारण नहर या टयूबवैल से सिंचाई करें। नरमा

डॉ. मदनलाल खिचड़

कपास को निराई-गुड़ाई की जरूरत है। धान की रोपाई 12 जुलाई तक जारी रखें। इन दिनों में प्रमाणित नर्सरी से फलदार पौधे लेकर लगाए जा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	08.07.2020	--	--

एडवांस कम्प्युटेशनल तकनीकों ने शोध को बनाया आम जनता के लिए उपयोगी : प्रोफेसर के.पी.सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 जुलाई : अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है। इन तकनीकों ने प्रयोगशालाओं में शोध निष्कर्षों को आम जनता के लिए बहुत ही उपयोगी बना दिया है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी.सिंह ने कहे। वे ऑनलाइन माध्यम से मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय वेबिनार के समापन अवसर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में गणितीय मॉडलिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन सीखने और डेटा विश्लेषण तकनीकों ने अनुसंधान को वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए अधिक यथार्थवादी और उपयोगी बना दिया है। वर्तमान में देश में प्राकृतिक और वित्तीय संसाधनों के अनुरूप की जाने वाली बेहतरीन खेती विभिन्न विज्ञानों में लागू कम्प्युटेशनल तकनीकों का ही एक परिणाम है। उन्होंने कहा कि किसानों, चिकित्सा विज्ञान और रक्षा प्रणालियों के लिए विकसित

सभी मशीनें और प्रणालियां कंप्यूटर आधारित कम्प्युटेशनल प्रौद्योगिकियों के उपयोग से ही संभव हो पाई हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने प्रतिभागियों के ज्ञान और कम्प्युटेशनल कौशल को बढ़ाने के विशिष्ट उद्देश्य के साथ इस वेबिनार के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सत्तत अनुकरण, कृत्रिम तकनीकों व आंकड़ा विश्लेषण का कृषि वैज्ञानिकों व अनुप्रयुक्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यों को शिखर पर पहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होने आशा व्यक्त की कि यह वेबिनार सभी प्रतिभागियों के शिक्षा व शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में लाभदायक सिद्ध होगा। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया और बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 430 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 240 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए हैं। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस वेबिनार में गणित व सांख्यिकी विषय के शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढ़ू व थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान ने अपने विचार रखे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक ने भी इसी विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। गणित और सांख्यिकी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सरिता मलिक ने सभी का धन्यवाद किया। वेबिनार का संचालन विभाग की शोध छात्राओं प्रीति व फागुन मेहता ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	08.07.2020	--	--

आईआईएम में छाया चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 9 विद्यार्थियों का एक साथ चयन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के एक साथ 9 विद्यार्थियों का चयन भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने विद्यार्थियों से सामूहिक मुलाकात कर उन्हे बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित्त नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। गत वर्षों की तुलना में इस बार सबसे ज्यादा विद्यार्थियों का चयन, विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने बताया कि गत वर्ष आईआरएमए में लगभग देशभर से 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 11 विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा आईआईएम में लगातार चार वर्षों से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और इस वर्ष सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

इन विद्यार्थियों का हुआ चयन

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र दहिया ने बताया कि इस बार 12 विद्यार्थियों का चयन मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में हुआ है। उन्होंने बताया कि आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थियों में बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा भावना व अमन मदान का चयन आईआईएम अहमदाबाद, प्रगति वर्मा का आईआईएम कोलकाता, सुंदरम बजाज का आईआईएम शिलांग, हर्ष वर्धन गोदारा का आईआईएम काशीपुर, भारती यादव का आईआईएम उदयपुर, राज कुमार का आईआईएम कोजीकोड़े, शुभम माथुर एवं भूषण मेहता का आईआईएम जम्मू शामिल हैं। इसके अलावा रेखा एवं दैविक कादयान का आईआरएमए में जबकि रीतू फोगाट का एनआईएएम में चयन हुआ है।

नेहरू पुस्तकालय का अहम् योगदान

आईआईएम में चयनित होने वाले अधिकतर विद्यार्थी ग्रामीण परिवेश से संबंध रखते हैं। मध्यमवर्गीय परिवारों से संबंध रखने वाले संसाधनों के अभाव में ऐसे विद्यार्थियों के लिए आईआईएम के लिए तैयारी करना बहुत ही कठिन था, लेकिन विश्वविद्यालय का नेहरू पुस्तकालय विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हुआ। विद्यार्थियों अनुसार दिन में कॉलेज की कक्षाएं खत्म होने के बाद देर रात तक नेहरू पुस्तकालय में अपनी पढ़ाई जारी रखते थे। विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में इस तरह की प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के लिए बहुत ही लाभदायक सामग्री मौजूद है, जो विद्यार्थियों के बहुत काम आई।

काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने किया मार्गदर्शन

विश्वविद्यालय में स्थापित काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल का भी विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे बहुत बड़ा योगदान है। चयनित होने वाले विद्यार्थियों सुंदरम बजाज, हर्ष वर्धन गोदारा, भावना, अमन मदान व शुभम के अनुसार छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र दहिया व अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेंद्र सांगवान द्वारा काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से समय-समय पर आयोजित सेमिनार, वर्कशॉप, काउंसलिंग, मोटिवेशनल सेशन, आदान-प्रदान प्रशिक्षण, प्री-डिनर टास्क इन हॉस्टल, प्री-प्लेसमेंट टास्क व पूर्व प्रतिभाशाली छात्रों के साथ विचार-विमर्श के माध्यम से उनका मार्गदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा ऑनलाइन पढ़ाई व सीनियर साथियों के सहयोग व प्रेरणा ने भी इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह की नई, सकारात्मक, ऊर्जावान व दूरदृष्टि सोच का ही परिणाम है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का देश के सबसे बड़े संस्थानों में चयन हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
खेत खजाना	08.07.2020	--	--

साप्ताहिक
खेत खजाना

एचएयू शुरु करेगा कृषि रसायन एवं उर्वरक में एक वर्षीय डिप्लोमा

खेत खजाना

चंडीगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में पहली बार कृषि रसायन एवं उर्वरक में एक वर्षीय डिप्लोमा शुरू किया जाएगा जो युवाओं को स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पहली बार शुरू होने वाले इस एक वर्षीय डिप्लोमा में कुल 30 सीट निर्धारित की गई हैं, जिसमें से अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 20 प्रतिशत, पिछड़ी जाति के उम्मीदवारों के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत सीटों का निर्धारण किया गया है। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए उम्मीदवार का 12वीं पास होना जरूरी है और 18 से 55 वर्ष तक की आयु वर्ग के इच्छुक उम्मीदवार इसमें आवेदन कर सकते हैं। कोर्स संबंधी फीस, दाखिला प्रक्रिया व अन्य जानकारियों को उम्मीदवार विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hau.ac.in से प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस कोर्स में दाखिला कृषि महाविद्यालय हिसार, कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय बावल (रेवाड़ी) के लिए अलग-अलग होंगे व उनकी कक्षाएं भी अलग-अलग लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि दो सेमेस्टर वाले इस डिप्लोमा में दाखिला 12वीं कक्षा में प्राप्त अंकों और संबंधित क्षेत्र में अनुभव के 80:20 के अनुपात में किया जाएगा। इसके लिए कम से कम छह महीने और अधिकतम दो वर्ष का अनुभव ही मान्य होगा।

उन्होंने बताया कि यह डिप्लोमा उन अभ्यार्थियों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा जिनको कृषि रसायन और उर्वरक संबंधी कृषि की आधार भूत जानकारी नहीं है। यह डिप्लोमा कृषि रसायन और उर्वरक संबंधी कृषि में उपयोग के लिए विस्तार कार्यकर्ता, एग्री इनपुट डीलर और अन्य तकनीकी योग्यता को बढ़ाने में सहायक होगा। इस कोर्स को करने के बाद डिप्लोमाधारक किसान समुदाय की कृषि रसायन और उर्वरक संबंधी उपयोग के लिए बेहतर ढंग से सहायता कर सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	08.07.2020	--	--

हरे चारे के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने में भी सहायक ज्वार की फसल : प्रो. केपी सिंह

पल पल न्यूजः हिसार, 8 जुलाई। चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों

के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधिक पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अत्यावश्यक है। चारा फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण फसल है। हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसन्द है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने के साथ-साथ हरे चारे की बिक्री कर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि हरे चारे में ज्वार की डिमांड बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकुल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि हरा व मीठा चारा, जल्द बढ़ने की क्षमता और अधिक चारा उत्पादन का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है। ज्वार का पौधा कठोर होने के कारण प्रतिकूल परिस्थितियां जैसे अधिक तापमान और सूखे को सहन करने की क्षमता रखता है। इसीलिए इसे कम पानी या शुष्क क्षेत्रों में भी हरे चारे के लिए लगाया जाता है। हरे चारे के अलावा इसे सूखा चारा (कड़बी), साइलेज व 'हे' के रूप में भी पशुचारे के लिए उपयोग किया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	08.07.2020	--	--

12 जुलाई तक हल्की व मध्यम बारिश की संभावना

पल पल न्यूज: हिसार, 8 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि अरब सागर से नमी वाली मानसूनी हवायें आने की संभावना से प्रदेश में 12 जुलाई तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील व बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। साथ ही पूर्वानुमान में बताया कि आज रात्रि से 10 जुलाई के बीच-बीच में हरियाणा में तेज हवायों के साथ उतरी हरियाणा में कहीं-कहीं मध्यम से अच्छी बारिश परन्तु पश्चिमी व दक्षिण हरियाणा में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। राज्य में इस दौरान तापमान सामान्य के आसपास ही बने रहने की संभावना है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मानसून अनुकूल परिस्थितियों के कारण आगे बढ़ता हुआ 4 जुलाई से हरियाणा राज्य में सक्रिय होने की संभावना थी, किंतु ➤शेष पेज 2 पर...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	08.07.2020	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों को दी सलाह

हिसार,(राजेश्वर बैनीवाल)। चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों को हरे चारे के साथ—साथ आमदनी बढ़ाने की सलाह देते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधि पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अत्यावश्यक है। चारा फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम